### \*\*\*\*

অথ শীরাসপক্ষ্যার নামক গৃছাঃ। বিশ্ব পিতাম্রকত্ক বিরচিত।

---

শ্বিন্দালি শ্বানাণিক ও শ্বি শ্বানাথ দভের কলিকাড।

নিভারিশী যতে যজিত হইল া

এই পুত্তত বাহাদিগের পুয়োজন হইবেক উংহার। মোকাম শে ভাবাভারের বা কগার উত্তর উক্ত সঞ্জালয়ে ডভঃ ক্রিকেই পাইবেন।

जन १२६२ माम छात्रिय २४ देवाई

# श्रिश्राचाक्कडा नमः।

### ध्वथ शिवान शकायात्रा ॥

मूनाति गाता शातः छिन्तन भारावादः निषात काद्र महिणादा श्रीमण्डागयण नामः क्यनीता गुग थामः शुकान महिमा कि विस्टित ॥ दाङ्गिकि कन भाखिः मृत्र भागेत्मपुकिः भागदानि कद्रद्य थस्टन । धारे ति वहात्मत छिन्धिः कृभाव ना स्त्र छिन्धः करत (यदा भस्तक शुक्रन ॥

 শাদশনাত্রীকরি। ভোষণী চরণ কণ ধার মইকারি॥ বৈশ্বন্ধনার কুশা ব য় সহকারে॥ যদি পারি ভাগৰত

निक् जुनिवाद । व्याग्र अदात (माकक ति छेन जा जा निक् जिने जा जा का कि जा कि जा कि कि

### **श्रीमधाएत । श्रीक्या** ।।

ভগবান পিভারাত্রিঃ শারদোৎ ফুল মলিকাঃ। মাজ্যুরন্ত , মনঃশ্চকে, যোগমায়া মুপাশিকঃ। ১

वम्ही का भूमवानि व्याम छ राश्वन । छाहा बनम् न छक करहन वहन । छनबाका वृक्षार छ बना ॥ छाहा बनम् । छाहा कुछ निभाशन एमचि विप्रधान ॥ भावम जुवर्श (नक्। किंका क्यारमापिछ ॥ शालिका शरनंद्र हिंद कि विर्ध स्मारिछ । बामबरमहिशी बिर्छ मनन स्मार्थ । शालिका मुख्य मरशुक विकास नेन । रियम सास स्मार्थ के विकास विकास ने करनन महरमः। महदनी नामूम गाहु (हाम्मन।। (त्राः शिक्षायाहेन मोर्क्षनमनः॥ २॥

हित्रमिन পরে का उन्नागिक विभव। श्रिया या तथ करत करत क्छ्म व्यापन। उन्निक छथन क्ष मरहायकात्रम मुश्लित मुथकत कर शुनात्रण।। श्रुवामि गक्ष्म। यूथ खतुरा तक्षन। कतित्वात (यत्रिमोत क्ष्म) नियायग। छमग्र क्रेल मानि गगाम्खरम। क्ञार्थ मानिया मरन खिक्म क्रेल मानि गगाम्खरम। क्ञार्थ मानिया मरन

দূরীক্ষুদ্ধ মথগুষগুলং রমাননাত্রনার লক্ষ্ মাকাণ । বন্ধতে কোমল শোভিরঞ্জিও।। তলোকল বামদ্শাণ মনোহরণ।। ৩।।

नवक्ष्यु यत शुश्च व्यक्षण कित्रण।। कमलात मूथ्णू ज्ञान वत्रण। मूश्रण व्यम प्रवस्तु जेपिछ रुडेल । एथि शाचिरक्षत्र मरन जेक्काम वािष्ण। मिन भोठ कित्रण (मािक वृक्षादन । ए। थिया क्षिक्ष रुडेम्प्टिए उद्यन व्यक्षाक्षणात्र शुन्थन रुत्रण कित्रण विकास मुम्हां ज्ञाक्षणात्र शुन्थन रुत्रण कित्रण विकास मुम्हां ज्ञाक्षणात्र शुन्थन रुत्रण किति एक। किति एकन मूम्हां ज्ञाक्षणात्र त्राव्यक्षणा । ।।

निशामा भीउ१ उपनथ रक्षन्।। वृक्षेत्र इत्ति क्षेत्र क्ष

কাৰকৰার বন্ধক প্রকৃষ্টের সন্থাত। গুলি বুলান্ধনা গন হৈলা চমকিত। যথায় গোপিকা কান্ত জাছীল কাননে। তথাউপনীত হইল উল্লাসিত মনে। সপতীর আগজন বিগুণ ভাবিষ্যা। পরশর সজ্জাকরেসংখ্যোল ইয়া। কৃট আকঃ বিভাচন্ত বভেকন্মবলা। সন্ধ্যানা ভাক্ষে চঞ্চল সন্থলা।।৪।।

म्हरहाहि यह काणिएए। हिंद्वानम् नुका
णामाहि नुकान् याव मनुषाना । भागवि ।। ६।।
मानत छेट नुष्क कछ बुष्कत तमानि।। छ। किया एए। हमें
कथ काहेला छथिन।। किह वा कति एउ हिल मूक क्या न क्या काहेला छथिन।। किह वा कति एउ हिल मूक क्या न क्या वाहेला छथिन।। किह वा कति हाणमानि।। क्या न क्या वाश्यित हुलित माद्या कति हाणमानि।। क्या ता वि

পাহিবেশ বস্তান্ত হিলা পায়য়ন্ত হৈ শিশুন পায়ঃ
ত শু ষ্টা পাতিনকাণ্চীদশ্ভোইপাস্যভোষন।
কেই বা ক্ষেতে মন নিৰিপ্ত কাৰ্য্যা। পারিখেশ দিল কথো বিরক্ত হইয়া। শিশুক্ত অধ্রেপয়োধর সমার্গিয়া না হইতে তৃতি তার অমনি ত্যানিয়া। কেইবা করিছে হিলপতির সেবন। কেইবাপুর্কচিলকরিতেটোলন সংক্তসনীতশুনিগোপিকাসকল। উপনিত শেইবেন শ্রীয়াস মুখেল। তা। निष्णस्य भूमकत्य अस्ता । काशस्य काण्यास्य वार्यस्य । काल्यस्य । क

তাবাব্য মাগাঃ পতিভিঃ পিত্ভিভু ত্বর্ক ভিঃ গোবিসাপ ছতামানোনন্যবন্ধ মোহিতা ৮

ক্ক ক্ৰাক্ষিত্ৰনা হইয়া বিশ্বলা। ভাৱি গুৰুত্বন ভন্ন মত দল বালা। পিত্নাত্ সূত্ত পভিন্ন নিবারণে। তথাপি নৈব্ৰ নহে কৃষ্ট দর্শনে। ৮।

---

व्या रगाडाः का किएसी लिशावा विनिर्गमा ।
क्या एखावना वृद्धा प्रमा विक लाहनाः। अ।
कर मध्य क्षा वाकि नामास्य निर्गम । यस्कि ला निराम गण गनिसाविषम ॥ क्यास कल्डे यन कत्रिमा निराम मूस्किन्यत्व भगरत्व नहेदत्र (यम्।। अ। प्रमह लिडवित्रह छोत्डाल थुडाखनां,। स्थान भाखाहुछ। श्रीवित्रह छोत्डाल थुडाखनां,। १ अ।। ভবের পর্কাত্তান জারবুদ্যালি সংগতাঃ।

জন্ত পুশন্ত প্রত্ন সদ্যঃ পুকাণ বন্ধনাঃ।। ১১ ।
উৎপতি জ্ঞান প্রানে গোপের রমণা। পরম পূর্ব
ককে মিলিয়া তথনি।। শুভাগুজের ভোগ্যত করিয়া
থপ্তন। পঞ্জুজন্ম দেহ করিল মোচন।। ১১ ।।

# ্ শাশ শূাগরিকীভোবাচ।

----

ক্ষণ বিদ্বাপরণ কাউণ ৰ তু বুক্ক ভয়া মনে। পুণপুৰাহো পর মন্তাসাণপুণ বিয়াণ কথা।। ১২

शतिकीरात निर्दर्भ छन मूनियत। गोशिक्नाछान करक शिश्च मरनारत ॥ वृक्षतुरश नांद्यानिया किरममरा भग्न । हेरारा क्यामात रेश्म क्षिक मर्भय ॥ गोशि कात गूग वृक्ति। एईएडक में। गूगमय एमर छ बिरेश्म क्छेमने ॥

emp 合う企業に対する。cm

## भी अकन्बाह।

नुक् १ भूद्र लाटम उटख टेक्प ।: निष्कि यथा गलः।

বিষয়পি হ'ব কিশ্ব কিমুভাবোক্তর পূর্ব কৰিলাম এই শুক্ষেৰ কংশ্ব শুন হে নহীশ্বর । পূর্বে কৰিলাম এই বিষয়েবিস্তর ।। যেকপে বিষেষভাবে ভাবিহ্ বাকেশে নিস্তার পাইল শিশুপাল অন্যাশশো। প্রমপুরংশবে শ্বৰা চিন্তেনারায়ণ। একোনবিচিত্র সোধ্য ভিরভাজন

न्गा निः (भूवना थे। यं द्राक्तिके सबद्धा नृगः।

প্ৰায়স্যাপ্ৰেষস্য নিৰ্গণস্য গুণাত্মনঃ !! ১৪
গুণের নিয়ম কভাযিনি ভগৰাম। ক্ষ্মোদয়হীন্থার
নাহি পরিমাণ । ভীবের নিস্তার হেও শুন নুশবর ।
লীলাপুকাশিতে পরিলেন কলেবর ॥ ১৪

কাল্প কোধণ ভয় ভেছ নৈক্য দেশ ছদমেৰচ।
বিভাগ হয়ে বিদধতো যান্তিভন্মনাভা কিতে। ১৫
কামকোৰ ভয়েতে ক্ষেতে যেইজন। মনের নিবেশ
করিভাবে অনুকণ। পুনপ্রংসরে কিবাসজন বলিয়া
ভাবয়ে সর্বা চিভেভক্তি পুকা শ্রা। বেকোন পুকা
রে চিভিইয় ক্ষময়। কহিলান সারাভসার নাহিক

্বিরণ বিষার: াষ্ট্রোভবতা ভগ্রত্ত কোন । যোগেখরে খরেক্দেয়ত্রএত দিস্ট্রতে॥ ১৬ নাকরো স্বাক্ষ্য বোৰ ইথে নরবর।পরম প্রাযক্ষে একোন বিভার । তিলোকের নাথ যিনি যোগেন্দে, র গতি। বাঁহা হইতে মুক্তর ছাবর পাত্তি॥১৯

जान्द्री जिक्या शांका उपवान मुख्या यिकः।
भवपविष्णा (मुर्का बाह्र श्रिम विस्ता हरून । ३१
भूदव गुर्का र एश कर रहे भूदन । जिन्ही कि निकर्ण यर कर रहा स्वान विकास । (मा

नाष्ट्रमा क्रोनर नर ७ जिस्स विख्य । किस्सी पुर ४८ उ

्रे माजतः शिकतः मुधा छाउतः भएत् भएतः।

विद्वाहिक मनात्वा मात्वर रक्षमंबर्धारे । भाषा भिष्ठा भूभ महामत्र निष्ठभित्र। त्वामानित्यमा ए बिद्या १८त्रकाणुमांखा। कद्रित्वत्व व्यक्तप्रमा भूरकाक खरम। माकतिक पृथ्य खर्म विद्वालयन्त्र १८५१। २०

म्डे प्रविभाग मिल् इति भावत इति के ।

यम्मानि न नी देन करते शहाब (मा किछ १।। २) नै वट मुग्य (कारम यछ (माणी गर्ग। इंग्लंड कर है। जिस्क करत नित्री कर।। (मिथिया (माबिक छा दि कर है न यह व (मिथिया कर्मावन । मूर्क माण भूत करत करि मरमाहत। यमुनाय संक्रीन किम्मिक छत्तेता।

कम्। उवाहित १ (गाष्ठ १ अमन्य १ अस्ति । कम् वि यामाय जाण्य विशेष विषय ।

• विश्वाम प्रक्रित्र । अवरः भीत्रा विश्वास्यः । २०

কোনে স্বধ্যক্ষিত্ব দেখি গোপ গলে । স্বিক্তিক্তের ক্ষা মধুববচনে এ যদি তেই জাব করি স্থামাতেসকলে বলীভুড চিত্তেস্থানিয়াই কডংলে ৷৷ উচিত কহিলে নাই সংশাহ ইহাতে ৷ বেহেতু সকল জীবে ভুটিস্থামা হৈতে ৷৷২৩ ৷৷

खरू धन्यं का अवस्थार मार्चेश। छष्य नाथ का अवः शुकाना का नुरशायकः।।

এই সে নারির কমাপ তির সেরন। জ্বারলতিবদু গ নের[সেবনপালন। জ্বকপটে সম্ভানেরভরণপোখন। শু নাগোপাস্কা এই মুম্মের কারণ।। ২৪।।

দুঃ সিলে। দুর্ভাগা বজোজড়োরোগ্য ধনোপিবা।
তিঃ জ্রাভিনছাতব্যে লোকে সুজের পাতকি।২৫
শিলভাবিহিনদিন দু ি করাভর। অক্ষম সকল কা
গ্যে ব্যাধিতে বিষয়।। এই কপবদি পতি হয়ত পাত কি
শত্যক্য নারির পরলোক ভয়রাখি।।২৫,।

ल्येश अग्रमशृक्ष कन गुक्ह , स्थावरु । जूनग निद्ध मह ब्राइ निश्च के कुन की ग्राह्म । उज्ञिया ज्याननगढि (महेम्बन कि । केन्न क्ष्म क्ष्मा क्ष् दिक्षत्र भौद्राज्ञासस्य । व्यक्तिमनिष्ठ अहे माद्र

भवणान्भाः श्वामाधिकार्यात् कीव नाव । भवणान्भाः श्वामाधिकार्यात् कीव नाव । भवणको नाम्भाः । स्थान । केन्द्राध्यामादङ्ग्रां नाइक (का उपायक नामियारन खन (का क्या प्राप्ताः । भ्याकवर्षाः क्षित्य सामन क्यन।।

### शिखकवात।

ইতি বিশয়মাক**র্জ্য গোপ্যোগোরিক্স ভাষিত**। বিষণাভগনসঙ্কলপাশ্চিত্রামাপুরত্যয়াও। ২৮

শুক বলে এইকপে কপটকরিয়া। গোবিন্দ বলিলা য দি গোপিরেদেখিয়া।। গোপিণন ভাছাশুনি বিষম ছ ইল। সন্ধাপভাকতে চিন্তামন্তি পাইলা। ২৮।

क्षान्यान १५ छ हः सम्दर्भ छ या विषायता निहत्यन एक मिथा एक:। करेमक्श छ या विष्णिः बह्व क मानि एक मक्ष छ उनके संश्व छताः सक्छी ।। २ २ ॥

ार्षारकरण निश्चात्र यन योगरण मात्रिम। जारारण या सत्र विच मनिन स्ट्रेंकश यमनकत्रिया रहते कर्या नर्य कि शक्त रमाणिमन प्रतिपट्टलस्थ । कस्त्रांस मनिन रेष्ट्रगृह्णक्ष प्रभावात कुष्ठत कुष्ट्रम (कोष्ठ , रर्फ्क्रक्ष अवात्र स्मानरेश्वा व्यवस्थित वह शामिणन । नाशिमादत (गा वित्त्वद्विक विहर्ण वहन ॥ २०।

বিশেরে কহিতে বচন।। ২৯।

শ্রী প্রতিপ্রতিপ্রনির পতিভাষমান কলিত ভদর্থার

শিবভিত সরকামান লেগেবিম ভ্যাক্ষিত্র গাহতে
আ কিঞ্চিত সংগ্রাক্সামান লিগেবিজা ভারতালুর কঃ ৩০।।
আ তিপায় নাল্য ব্যালা। বচন বাল্য বান শুনি কম্পনান। ভারণ নিল্ড ইকল সকল কামনা। রোদনে

कार्विन (नज करिया माळ्ना।। देशक कारनट क्य प गम वृष्ट्या करहेद्द हारिया नत्व बुद्धार्थिशा प्राच्चात क जात्व किष्ठु विचरक नाशिया।। माञ्च अस कार्किन त्व करोत्व हारिया।।

বৈবঃ বিভোহতিভকান গাদিত। নশ্পন্ত মন্ত জার সহবিষয়া। তৰপাম মুক্তা একাজকগদুর বগহ নাত কো মান ছেবে। সপ্তা দপুরুষোক্তাতে মুমুমুক গোপিশণ কৰে ভনভকে নারায়ন। ভোমার বজর। নহে দারণ বচন। ভালি মব প্রকাশ বিষয় কাল্যা। ভোমার চরণ গদ্ম কবি জারাধনা।। বচন্দ পুরুষ ভুমি শ্যানা সভাকার। পুণকর আশানা করি ভলার দার গ श्रीकार्यक्रमा विकास विजय प्रमुख्यम् । त्यक्रम अस्मा य

- ল'ৰ উপত। নাড দুক্ৰ দা সনুব্ধির জ জীনাং শালা ইতিধ্যাবিদাত্যেকিশ। অন্তেবলেডদুপ (ছণ। পদেব যাশে প্রেটাভনাত তন ভ্তাত কিলবন্ধ্ রাজানা এই।।

शिक्ति ज्वित्व शामन । जबन । नाहित प्रथम वहें उक्त नातारा ॥ प्रश्नक जार्शन क्षेत्र कृष्टित कृत । (क् न जैशक्ति वक्षा कृष्टित क्षेत्र कृष्टित क्षेत्र क्षेत्र

কুষতি হি ব্রমি রতি কুশলাং শ জাতামিত গুলিম পতি স্তাদিভিরালি দৈকি। তত্তঃ পুলিদ মহাংহ ত্রমামছিলাও আশাত য্তাত অয়িছিরাদর বৈশ্য ব্রমা

শাত্রজ সকলে ভোমায় করে রভিশ্ভি। ওহে পর মাত্রাক্ট ভমি পি মুখাত। পতি পুত্র মুরিদেভেক্তির প্রোধনা ভাহতে কিবল লোক দুক্তেম্ভান্ত। ভূম বর পদ হয়ে অগভাইমর। আমা স্বাক্তারে হওপান क्ष्मण्डले। एकामग्रास्त्र दिवाल काला काला का एका वि (वसन स्तर स्टब्स काला नशन। २००१

क्षित्र महिन्द्र । भाष्म भाष्ट्र मान क्ष्य । भाष्ट्र मान भाष्ट्र मान क्ष्य । भाष्ट्र

्रेग्। युवाक छद नाम जनभाव मात्रा महक्की भक्तिय ं जग्रवन शिवा है। काम्भाकार शृ ई उन्हान सम्बन ः अवस्याद्भवा विवासिका विकास स्था যথন ক্ষুত্ৰৰ ভব পদতক্ষা লাইনার কেবিভয়ন কো ভিসকোমল ব সেহিড়াড়িসকলেকেজরণ্যে এখন। ও Cs वनः सन क्या समनदश्यक्तः उपत्ति व्यनावनाङ्ग . मियाता थाकिएनामात्रिमाथ क्वांनम्परेन ठ७। न्यायुक्त अप्रयुक्त ब्रह्मकरमञ्जून म्यानिक् नियम नि शराकिण ভৃত। जुष्ठ। यम्। सः विका कृष्टः अत् যেইকনলার অবলোকন্ডারণ। সভত পূজ্য করে পন্য দেবগণ। ছেন পদ্মা ভোনার হাদয়ে ভট্ট হিছি: कान। मां उत्पद्ध वर्षा नाष्ट्र वर्षा । (यह शाहतक बिन्ड) जुल नि (नवहरू । एक गण्यारा निक्र (मन्न कहरू ॥ হেন পাদেরজ পদ। জুল নিরুদনে। দেবনফারজে নিত্র। बाङ्गाकरत्र भरत। (महेक्ल दाङ्गकत्रि जद गानिगए। ভব্ল পাদ পদ নিভ্য করিতে (নবন) 👏 🗀 📑 उद्य शुनिम वृक्तिनाम्बर्ड-चित्र्म गाञ्चाविम्बाबः সভিত্যুপাশ নাশাঃ। ত্বং শুদরে যিত নিরিক্ষণভীকু काम ख्लाषाना भूतम जूषण (किमाना १। का

'अरङ् पृथ्य विनामन यरमामा नम्सम्। भागता अतिका

গোলি ভালিয়াভৰন। তোমার ভলক আশা মানতে করিয়া। ভব পাদপদ নাম পাইলান আনিয়া। তে মান শুলার জানা সভির চাহনি। তাহে তিবু কামে তথ্য ইল লোলিয়া। পুৰুষ ইতন জুমি সকল জানব গোলিক। সকলে দানি করিয়ারাখহ। তান

म्बा मानकाय्य मथ उत्तवस्थन की गछहनाया

विरमाक। वक्षाः शिय क्षेत्रमेन क उदायकाना। ०३/
व्यवस्य वाद् छ व वहन क मन। यक्त क खनाना ।
करत भश्चम । व्यवस्य वितिय व्यवस्य कामा ।
इक्ष्म । युक्त वित्य वितिय वितिय वित्य वित्य

कान्डिविख्न । १०।

अञ्चरन रहन रहेना चाहर इका शिन। साहित ना हरा ठव रवण गोड छोन। रिश्वाना हा साहन तथा रहि छ। नशरन। रहीन नशित एका नाहि छ। करश खुनरन। कहा थ र नृष्ठ जूका छिन रवणूत्र न। जूका कर एका रव रव रवनू मूल ल ষ্ঠত ভবান সূত্ৰভয় জি হারাভিনাতো দেবো বথাদি পুক্ষঃ স্বলোক গোপ্তা। তমে বিবোহ কর পদ্ধ মাত বন্ধো তপ্তত্তনেগ দ শিরঃ সূত কি-ক্রীণাস । ৪১%

मुद्रशासित छन्न मृथ्ये विनाण काइण। (शामरण इर इष्ट्रे आत्रि दर्णामानम्ब ॥ रागरमदशरणदत्र न्नाचिर्छनाता सण्॥ नामाक्श धृति ज्यानि शुका चिछ इन। छर पिन बक्तु अहे रहामात्र किन्नी। महागरन छछ्छन महिर्छना भाति॥ कत्रभम्म प्रमा छन कहर भिछन॥ मकाइस म रक रमह छक्त्र कमन ॥ ८०॥

श वाक्छेक्ट वि

हैं कि कि कि विजि । जाना मुद्दा (याद ग्यंद स्वरः ।।

भूमका निष्या (याणि प्राच्या वाद्या गाउदी है स्व ।। हर

खकद क कर में (गाणिप्रः विलिला। व ।। क्व (मिश्राः

क्के नम् स कहेगा। है ये ज का निष्या के हैं कि जा। (या निष्या प्राचित्र विक्राः) विश्व (या निष्या प्राचित्र विक्राः) (या निष्या प्राच्या विक्राः) विश्व (या निष्या विक्राः) विक्राः (या निष्या विक्राः) विश्व (या निष्या विक्राः) विक्राः (या निष्या विक्राः) (या निष्या व

काणिः नत्मका जिनमा इति है छः शित्म करना क सूझ मूची जिन्न हुए छः । नूमान हान विकल्पानी विक्रि ब्राइडिमाइडेटवाजु जिब् डा 801

ित पत्र भाग नाम निर्ण (गाणोगन । जाहादत त्यश्चित्र देश वरमामानगरम ।। कठित चेमात्रहाना मणन कालि

তে। দশকসুমের কান্তি গরেন লিলাতে ॥ গোলিগণে বেটিত শেহতন ভগবান ॥ শশহর যেন তারা মধ্যে শোভা গান। ৪৩॥

जिनगीयमान जिलायन वनिजामाउन्थनः।
मानाचिज्यमाङि वाहत्रमान्यन्न ॥ १८३॥
मानि में प्रमाणि करतन विहात। देकस्थि माना
गटन माना भाग जात्र॥ किनिया कानन माना करतन
जनगात्रमण समाना गरन कहिसा कानन हो।

गए।। श्रुणिन साविष्याशाली जिस्सवाणुक्।।
ज्हेर जडर जानिक कुमुमारमाम वास्ता। हट।।

খননাপুলিন নিয়া গোপিকাসহিত। যাছাতে শোভি ংছ হিৰবালুকাললিত।। তঃক্তরলসমুদিনীলাননিত ভাহার আমোদে বায়ুবহে শ্লালিত। ৪৫॥

ৰাহপুৰারপরিরম্ভকরালকোকনাৰীভনালভৰ নতানখাপুণাতে। কেল গাৰলোক ছলিতৈব্

जुन्द हो । जून स्वान हिला जिला है । १८७ दिसात करते स्वित्या जिला ते जान । बास लगातिया सन ज्यानस्न पारन।। करते २ पदापति करते न क्विस्क ह्यन करतेन जूर्थ जनस्क सन्दर्भ। केन्द्रिकी सनस्ति

क्षणकार हात । नवाद्यका संघान करदान शक्ति हाता। यो ড়ন করেন ঘন রমণ পণ্ডিত। গোপিকার রতি পতি बद्धम छेपि ।। खरिला (बार्गिकागरा इसए इस्तर । স্ত্রাশরুসে র সিক ভর্ম সকামেতে।। ৪৬ ॥ ্থাৰ প্ৰতৰ্ভ কুকালেৰ মান। মহাত্মন। আত্মানাপ , (मनिरंत्रकी ११९ मानिस्तृग्रहका विक्) जूरि ॥ ६९ ॥ , भनामक हिनक्ति नत्सत्र नन्तनः छारु।टेल्ट्ड लाङ्ग मान गुड्र(गाणीगन्।। स्थर मानिन गृह यानगा मुक (न। णात्रा महाकात जून। (क्या जूमखान।। 89।। खामा ५ ७ ८ (मो ७ गमर १ वीष) यात्रक (ए मवार भूमनात्र भूगामास ठेकवासदशीयक ॥ ८৮॥ - সৌভণ মদেতে মঙ্গলৈ গোপাগণ।ক্ষতাহার্থি স্ত্ৰা ভাৰেন মনেমন।।গোপী নবাকারগছকরিবখণ্ডন পাছে অনু হ করিনিব দরশন।।এতভাবি কৃষ্ণান্ত হৈলা অন্তৰান। কৃষ্ণেনা দেখিয়া সবেচাহিয়া বেড়ান ः हे ि भी जागवर्ण महानुष्यार मनमञ्जूष द्वान कोजात्रस्थानाच अरकानि भरमार्थाप्रः দশ্যক্ষেতে রাল কীড়ার বর্ন। উনত্তিপুল্লেখ্যায় र्वेन मयाशन्।।

बिश्वक छेगाउ।

च्छ हिट्ड डमर्स डन्हरेमरत्वाक्रमा । व्यक्रमा १ एम हक्तामाः क्षिमाहेब दुधमा ॥ ५॥

्रवात अट्यांत क किलाणी नवाकास क्षयि देशा व्यवसान । क्षण्य मुन्दि निर्माणी । नामिश्राम्य मिल देशा शांत्र किटिंड विश्वादिकान ।। नामिश्राम्य मिल किति का जान्य किट (यनवरन श्री क्षणा । दिन क्षणनाष्टि (मिलिट (गोलिता श्री पूर्णा । गडक बर्णन

> गठावाण बिहिष्ट्यकिटेड्य मात्रमानाने बिहान विदेश । ज्याक उठिखाः भूमनाद्रमा भटेड छ डिटिटिंडि म्हलमा बानाः ॥ २॥

क्रमनाशिक्त शिंह चन्ताशिमाउन्य जि मिनिन योगन जीनो । किर्द्धिका गांभशी हः की जा निनारमण्ड मोड क्ष के दिख दिन (गोभी भाषा)। करवेदा की दिखा कि स्थान बोटें जा शिंहा क्रिक्ट कि कि दिख जा शिंहा अभिन बोटें जो क्रिक्ट करता है कि एक मिनि जा महिला क्षेत्र के दिखा कि स्थान करता है कि एक मिनि शिक्षा के तिन । दिशा

গতিখিত পূক্ষণ ভাষামুদিশ পিয়ন বিয়ুলাপতি কট মৰ্বল্লা অসাবহতিত বেলান্ত দালিকাল্যকে । দিশু কুইবিহাল বিভ্নালাত। स्वत्रक का छैन भक्ति होने हो हिमान छा छ। वहन में बरणन बहन । कह बरण कहे क्या मि किन मृत्य छा बै कु में: रबाव मान कन्न इसा ।। शत बन रागा हो कि हा कहेममें करने कि बण् छा के मानि वेक्यान । हिकदन बूहिन होराम: किन्द्र हुछाना कि बन शहा हुछा दिना बान शहित होराम: किन्द्र हुछाना कि बन शहा हुछा दिन में बन बन । शहा जाका में दह जिल्हा दिन हुछ। महा भूतर देन हुछोंने। है।।

क्रिके बाद्योभिक्षा किन्द्रः क्रिकि गान गीलः क्रिका नगान (गाभीगग्रा क्रिक्टिका बद्या विद्राः (बंकानका बहै। दिलाः बदनर करत्र नज्या । मह ज्रिकाश्वकितः भवत बाहिरत्र हेतिः तर्रारहेन ब्याका मन्यान । क्रिक भयान बदनः (पृथि विञ्ज ज्ञिंगराः जिक्कारम्य क् क्ष्मिंद्यान ॥

म् १ दे दे विकित्यं श्लाकन्। रणावरनामनः। नन्त

नुन्निक्ष द्वार्णभहानायरणाकरिनः॥ १॥ स्थारक अथ्येत्क भारणात्र भह्छ वक्कः नन्त्र न्द्रक्षि १ थह् अथ्ये। होत्रमम श्रिणाक्षिः स्थानीयन हुत्रिक्षि रणमहामा अक्षाहरूमण्डा। १॥

कहिछ क्षेत्र्वकारणांक नार्शनांश ठेलाकाः। त्रामा बुक्ता मानिनीना । गटा प्रशेष्ट्राम्बद्धः। ७ १ जल्माकष्टणाकनांशः कृत्रवक (क्श्रांशः त्रांस्क्र णनूर्

कि हारिया । मानिनी अत्यवन : शनिया कवियार्थह शनाक्ष्या रगन अरे इतन ॥ अः।

कृष्टिक नीकनानि (गानिन्ह हत्र विद्या । मर खानकृषि विक्रित्य एक एक विद्यारहा छः ॥ १ । समसी कनानी करहः (गानिन्ह एक गिर्मा हत्र कि चिन्न क्षित्र मर्था समिक्त मर्खामायः विक्रित्य का नवायः यहि (म्रथ्यां क स्टब्स्क छ । क्षेत्र क्षाणी गण ख्या गर्मकानमः स्टब्स्म करतम मन्म स्टब्स । (पर्थिया क्ष्म गर्मकानमः स्टब्स्म करतम मन्म स्टब्स । (पर्थिया क्षम गर्मक गराः किस्ताना करतम बरमः कास्त्र महत्र विक्र (हर्ष्ट । १॥

भाग । प्राप्त कि शक्ति का कि स्थित ।
भी कि स्वाह नम्र न भाग । कि स्वाह में न भाग न । कि स्वाह कि स्वा

চুতে পিয়াল পনসাশনকোৰিদার ক্ষকবিল বল্লাম ক্দখনীপা। যেহনেপেরাথ ভবিকার মুনোলল্লাঃ শণ্মন্ত ক্ষেপদ্বীণ রহিভাতানা নিঃ শুনুহাত পিয়ালপ্রশান্তান। কোৰিদার্ভাষ প্র

ब्राम्य प्रमन । विज्ञानी भव प्रमाणि य खर्क को है। सद्य बार्थिए बरन (खामदा इस्याहा। खीर्थनामि मम रेन्स सम्मादावामा । जल बिद्राणां माह (खामदा मकत्य । का मामबाकाद (सरहना हिक (छजना। खन ) छिछ इस्याहि बामदा (लाकी बना। कृत्यद शमन भथय में (मरथ्याक कर्या सरद्व बामा मदाकाद शुगदाय।। जमिएउर बरन (लालिका मकना। क्कशम श्वीहक स्विधा जिन्हन।

किरसक्ष्य कि उडरमावडरक्षवा विश्वार्षा क मरवाड भूगकि ठाककरेशिक जामि। ष्यभा श्रि मञ्जब क्षेकक्षय विक्रमाधा प्यारश्चित इवभूवः भित्रबञ्जराम ॥ >•

বিজ্ঞানা করেন গোপীবরণীরপতি। কিপুণ্ডকরিলে
ধরা ত্নি পুণ্ডবিতী। ক্টেরচরণপাশেকইল উত্তসব।
তাহাতে পুকুল তব তনুর্গ্লব। কিখা উক্ত মের বি
কম হৈয়াছিল। তাখাতে তোমারপ্তে এচিছা রহিব
শ্বথবাৰরাহ্বাপে দেবভগ্রান। তোমাউলারিয়ামিল
শালিকন দান। সেকালের চিছা কিবা ধরেছ ধরণী।
কিবা পদ চিছা তার ধরিলে ভাপনি। ১০।

चरमा ११ मजू , ११ गण्डः भित्रा द्व इगारेवः स्वत्रम् मा १ मुसिम् सिक् विकाद् १८ जावः । काषा व मक्षण क् कृम मक्षिणामाः कृममकः कृमशटण दिव वाजि स्वतः॥ १२॥ ত ক্ষেত্ৰ কৰি নিৰেদন। তোলাৰ নিকটে কি ক্ষিত্ৰ ক্ষিণন। অকে স্বাকার চল্করি আন কি এপথে গেলেন নাথ পিয়ারসহিত।। প্রসির ক্ষুক্র নচ্ছিত। কুচের সংস্থা হৈতু অভিসর বিভাগ কেন্দ্র কুদ্নের মালাক্ষ্পলে। ভাছারদে। হিডেছে এই হলে।। ১১॥

্তি প্রাংস উপধায় গৃহীত পদা রামান্ত ভালসীকালি কলৈবা দাকৈ:। স্বর্গীয়মানইছব ্রেবঃ পুণামণ কিন্তাভিনন্দভি চরণ পুণয়াব গোকৈ:। ১২।।

ার ক্ষমেতে হাত দুরে হরবিতে। কমল করিরী
আইলেন এই পথে।। তুলদী গল্পতে মুক্ত হৈছা
আইলেন এই পথে।। তুলদী গল্পতে মুক্ত হৈছা
আইলেন। পশ্চতিই যায় অভিমন্দই।। ফলভরেজ্বশ
মার্কাভান্তর্গণ। করিল পুণাম কটে তার নিদর্শন।।
প্রাক্রিলে সবে দ্থিয়া তাহায়। পুণয়ে চাহিলা
ক্টি ছোল্পেনাকায়। ১২।

म्हण्ड मान्छ। वाङ् नमा मिन्छ। वन्माखः। नुन्। छ उक्तकः है। विख्युष्ट भूमकान (दृशा। २०। धक्तको वाङ धर्माखन (मानीजन । धहेन्छ। मन्नि मारह कृष्टे परमन। यसनम्म छित दाङ कि मानिकन । हैश्वाक्षप निमाद भावन्छित्वन ।। छथा निम्निकदेव नथ्यम् भूतिमाद भावन्छित्वन ।। छथा निम्निकदेव नथ्यम् भूतिमाद भूनक हात्र छ व (पथ विद्यादिया।

## **ELEC. 4**

मान विकासका अन्तारमाड श्रम् भारत वश्याव

उपागल खनान । ल उ उट्डि खना जिता । ७० ना पत्न गांग्रखा न जा गांगा नि नगर । ६८ । क डेट्डिनियिक म गर्गा भागा । करिक्शामा गक्रक मार्टिक मन ॥ क केन्द्रीर हम क विक्ति आवना । कुछे भागारिन विकाम विकास मा भागा । अस्त गर्म निव भागारिन विकास किन्द्री । भागा । १८ । भागारिन विकास किन्द्री । भागा । १८ । भागारिन विकास किन्द्री । भागा । १८ ।

व अं अगुक्डे कि अग्निका कि का शामिक के विकास के वितास के विकास के

অতি সেউ কৰি। ভার সংখ্য রাস্কীলার বিশেষ বর্নন ক্ষ অধ্যেষ্ণ প্রিশ্লোষ্ট্রায় পুরশা। ৩০।

# ि शिलाना खेवाह।

শয়ভিত্তেধিক প্রথানাবু লঃশয়ভই নির গ্রাশ্যদ এক। দলিভদশ্তাপ নিজ্ঞাবকান্তরিগতা ববঁতা বিভিন্তে ॥ ১।

ক্ৰেন গোপীকাগণ প্ৰচেন রায়ণ। তথ্য স্বেল বুজ্থান প্ৰতি সুন্দাভন ভান জ্বিত্ব জ্বিত্ব এতেও কনলা। শোভিত ক্রিয়া ব্যুক্ত আচেন ক্ষ্যুক্ত নাজে গোরিন্দ দেখাদেও প্রামা নবাকারে। ভোমার আমারা এই কা ভার অভরে। ভোমার নিমিত্তে পুণ করিয়া খান্ধ। চারিদিগে করিতেভি তব ক্ষ্যেষণ। ১।

শরদ হাশয়েসাধুরাভসাভসরসিলোদঃ শ্রীমুথ। দৃশা। সরভনাথভেচজকদাসিকাররদনিহতে। বৈহকিত্রধঃ।২।

भवक्षेत्रं मुकामिक। स्वरंगाका क्षेत्रं माथ कति विव किंद्रं मुकामिक। स्वरंगाका क्षेत्रं माथ कति विव कात। नवन श्लैक् कांककांक मानिकात्रा कार्याः कातनाथ এकाग नवरन। शहाक करत्र स स्वयुक्त प्रामी কালেও হে ৰাজিত কলপদ প্ৰশাসনার ও একিনয় ভবে বধ দি প্ৰায় । হয়

् विवस्त्रणाभाषाणा तास्त्रभाष्ट्रणाम् । विवस्त्रणाभाष्ट्रणामा तास्त्रभाष्ट्रणाम् । विवस्त्रणामा विवस्त्रणामा । विवस्तरणामा । विवस्त्रणामा ।

विषय अवरिट्ट के जिल्ल जन्म । स्मान्त देन्द्र ज्य कि जिल्ल व्यवनाः निष्ठ स्त्र मुद्र स्व कि ल्या । मान्त स्व स्वाद ब्यु निश्ठन ॥ छाड़ारेट्ट अस्य कि विष्ठ स्व स्वाद के गरेट्ट अस्य कि ब्राइक्क्माक्ट । स्व इ स्वन । स्वाद हर्ट हर स्था के ब्राइक्क्माक्ट । स्व इ स्वन । स्वाद हर्ट हर स्था के ब्राइक्क्माक्ट वाद देन्द्र स्था

ं नश्रन लाभिकानम्सत्नाख्वानिश्वापिकाम्

ख्वा जन्म। विश्वना शिष्ठा विश्व छ । श्वितः जाण्या- महम्। ८।

ष्टा प्रमान (कवन विमाध । मकन श्रानित किन्छ प्राप्त । श्राधना कविद्यान दारत्र । (मर्ट्स छेन्। व्या व प्रकृत पर्या नाकत्र उर्यका नाक रशाशक। मुख्या । इ.।

্ৰির্চিত।ভয়-বি ইধুর্যভেচরণজীশ্বা-সংশ্রেত ভয়াত। কর বরেঃবছং কৈ।ডকাসদেং শিক্ষাস্থিত ভাষেত্রিঃ জীকর্মকণ্ডিন।

্বিত্রির ভারেভিবার ভাষার ভরণা করণ করেছে ध्यानि छ। विनाचन। (य वेक द्वरत्र महरूत विग्रास्था छ। व्यक्त क्षमा कार्यन कहित्व म्याना ।। १००० विचर করে: সৰার কামপুরে 🗓 ইইনকর প্রেছস্মান্তাস্থাকরে 10 Lighter IE मि:इ! ७। ए अञ्चलना जिल्ला वी हरणा विष्ठ % निय कर्न्य वर अन्त ही ाः विज्ञानकमान्यक्तिकातिकात्रमान्यम् स् े नेकाक समावेशमें केनाका । जाताने किंद्राता प्रकार । ७०० वृक्षसम्बद्धि एते य तबक्षते निर्मणम शहनाय छान अस्त हर के भागती विकति खनगढ नाज शिंग ॥ असर जुट्च (मध्युष ७ जट्याक कामन। (मध्य हेर्या वस्प्रावकार ा अन्ति । विकासिन विकासिन । उन्हें विकासिन ।

তাত ফালি পিডা ডি নির্দিষ্ট কর্ন চ্যু নাই কাইছেছে। প্রদানি চিন্দ্র নিশান্ত হৈ হাপইছে। পারপান্ত লাদ একপার্টর প্রদানিম বাহলানে বিভা ফালিয় কণার মধ্যে করিলে অপিত। সংচর উপার্ট জীকার কে অপনি প্রায়েশ্যক সাহাজের কার্যাপ্রদান বা মধ্যবাশিরী কলাবাক কাল্যক্ষ কার্যাপ্রদান জালি। বা মধ্যবাশিরী কলাবাক কাল্যক্ষ কার্যাপ্রদান জালি বিক্র নলিন্দ্রারান ভর বারের নিজা কিলেনের নাহিং

হরণ। (হন মনে হর বারের নিজা কিলেনের নাহিং

ক্রিক্টানাথ কানন ভিতার। ক্রেক্টার ভারি প্র

ক্রিক্টানির নাহিত। ক্রেক্টার স্থানির ক্রিক্টার ক্রেক্টার ক্রিক্টার ক্রিক্টার

ত্তিতি কিন্তেশ্যার কিন্তু বিহালী তথ্য কর্মার রহাসি বিশ্বার ত্রামার মধ্যমন লালা পেন্তু ক্ষেত্র ক্ বিহার বিশাস। যেই বিহারণ ব্যানে অইয়ে-মঞ্চলর হিন্তু ক্ষাইশ্যাক করিল চণ্ডল ৮ জ জ্বানে হেন্তু তথ্য র ক্ষা পার্ছাল চল্ডল ৮ জ জ্বান হিন্তু হৈছে প্রক্রিক ভাহালক করা করে করে ক্রিমান বিদ্যালয় করে প্রক্রিক দেই প্রশাস চিত্রার করে ক্রিমান বিদ্যালয় করিব ভাহালক করা করে করে ক্রিমান বিদ্যালয় করিব দেই প্রশাস চিত্রার করে ক্রিমান বিদ্যালয় করিব े क्रिनेशित करम नील कछरेला वंकशानन । विज्नी वे नक्षी भनत्रक्षण भागास्य इस्तिनियत्री वोत्रयहिन ॥ २२ ।

मिन्यवनात वटक वटनाट्यश्ना नीनक्षक्रण यावज किर्विमनी (शश्च नथुमव्छाट्ट पिथिटिजन्स्त १ स्मन क्षित्रारम जूरिक मथुकत ॥ छाएस्मान नवाकात ,व छा क्षित्र (स्थाइत्रावाद्वर छव छन्द्रानक्षा ३२ ॥ भूगककात्रप्र शक्षका इ.ड. थ्या विम्खान (थाप्र क्षाविक्ता क्षावशक्षका अखनक्ष्ट त्रवन न दनवृत्वर वाक्रिना ठानेश्वर ।

भट जबका में गुर्क करत (यहत्व । कम नगा स्वया शिकरत महि। में ना। में गुर्क एक एक कबर में खुना। (रने कर माम के खेनरे रे ब्रांग।। जिस्त न ममरक रके प्यक्ति मूर्थ भा। स्टर्न दिशा काम स्वाग कत स्वयामा ।। ५०॥। भारतीय कि कि कि कि माम कि कि कि माम कि कि ি শিক্ত শাইতরস্থাগবিষ্যারশংনুগাণ বিভারকী দক্তি । বিভারকী শাইত লাগ্রিষ্যারশংনুগাণ বিভারকী দক্তি ।

সূরতের প্রদাক শোক নিধারণ। সমস্ত মুর জি রাজা করতে চুম্বন। অন্যাতাপ নিবায়ণ্য সকলক্ষনার। ওকে বীর তোমার অধ্ব সুধানারে। আমা স্বাকারে:ভান্। করতে শ্রাম তব অদশনে হাহারগোপিকারপুণি। ১৪

শটিভি যন্তবানত্নি কানন কিন্তু গায়কে জামা পশ্যতা পাটিল পংলগ জীমুখ্যুমভাজড়টা নি

हिर्दान यथन यहन केत्रह शामन ॥ नाइए बि रखाँ जाहतू नाथ (गार्श (गार्शोश १) कराष ममग्र गहर ब्राइ म मान। शाम किन व्यवस्त बाह्म छग्यान। व्यक्ति क् छल उन बीमूच मखन। (म्बिट्ड इक्ष्मस्म नग्रमम्बन डिक्ट्ड नंग्रन केत्रग्र निज्ञोक्षन। छाट्यविध (कन देवन निट्येय म्बन । ५६ ।

পতি সভাষয় ভূতি বাছৰ নতি বিক্তব্যক্ত হয়।
চূতাগভাঃ লিভিবিদ্তবেদগীত মোহিতাঃ কিভা বহাবিতং কভাজবিশি। ১৬। পতি প্ৰ সূহাদ বাছৰ ভূতিগণ। সম্বায়ে ভাজস্মান্য আইলাম মাননা। জাশায় আইলাম নাথ্যিকটেডো কার্য মিডজানহ্যাগ্যন গোপিকার। ভ্ৰমব্লির 84

गा । अद्द मठ गाननाथ (हन नाडोशता एका माहित्यरे गा। अद्द मठ गाननाथ (हन नाडोशता। रकामा माडि श्रीत्म स्वित्वहास्त्या महत्त्वनो उक्षा श्रीत्म स्वित्वहास्त्या महत्त्वनो उक्षा श्रीक्षण विष्णु श्रीत्वाचीक (श्रीवाचन श्रीवाचन श्

निष्द्रत बनिया (यह कर शिव्स हिम्बाहर समय क्य मण्डल्कामाः व्ययम मक्छान्। निः शिक्षाः विभागक्षप्रदेश भाषानाक्षात्र अवस्था श्राम्य (स्थिहक न्यूर) क्युलिक्सिय (मन्नर्शय विस्था कि क्यानगर) रहा। भूत हें क्षेत्रको अनात्माकित्ना है देशिन स्टाल विश्व ः भवति । कामगाम वर्षाः ए व्यापार वयन **医牙髓内 河南州东西岛北部 (198**0年) 1980年11日 - 1980 अस्टरमाथ जतकात्त्रहेत् अपूर्वः। लाज्यः मृत्यं व व व व नाव षुःभना भगदाः निष्यः म न काञ्चित्र निष्ठाः। नाथ विष्टु कर्तमान । एकेम्मिक्क करान । साम (श्राणिक । व भागा स्वरंश इम्रद्या*्या* विवासक्ति। এकन् अविव द्यानाम्बर्भेट मुनाहिम। १८५० । १८ हमा १५ । १८ १८ । १९ व्यवसम्मोक महागाम मान्य कातम् कोकाः भरेनः शिक् ं क्ष्मिक के काला है। उनाइको यह निजया था स्कित के का

प्रति नित्र महिन्य हिन्दि है है । यह अल्लाम । एक व रार्ड (मिनिमिने कि उन्छान्य छ छ विद्वर है। कि नोड़ाने कि वहने परित्र निवार छ छोकि। एक मंदिन कि में नित्र के विक्र कि प्रति निवार छ छोकि। एक मंदिन की उन । यो में नित्र में में में बेटिय । की नाई। छिन् एक की यम मन रहा कि से में बेटिय । की नाई। छिन्

म रहेन नर्मान १ ७५१ । १ १ १ १ १ १ १ १ १

१०० । १९३० भे श्री अं हेर्ना है।

ला नो निर्मा के किया किया में बिहा के कि कि कि कि कि कि कि कि किया ने विभाग विभाग ने किया ने

》。由少程的包括 计如图 大声的 高点 在 起 出 出 自由 15 1 न्त्रकार्त्वात स्थायक माध्यातिका वर्षा ११ शिसक्त बीक्टार्स माथ याग्यन । यानत्म " पृत्र रेनाम्ब (मार्थाभा)। धरकारम (मार्थाम्नात रहेम् छेथा मु । स्ट्रांस कर्यने देश शांत विमार्गाना ७। -কাচিত করাখু হাও পৌরেজ প্রেজ লিনামুদা। কাচি, स्वात्र व्याप्त व्याप्त विकास (कानदभाषा) कन्न सद्य क विद्यायलन । व्यक्तिकत कदशस क्त्रिम क्षत्र । त्रम् वास्था ५ व वस्य व्यान त्या । চিকণ চন্দৰ লেপ বিদ্যমানে বাড়ে। ৪। काहिएक्षिमाग्द्राक छत्रीचात्रू ग छवि छ । এवा छ म्भूषिक्रमण् नवश्चालनायात्रवाञः ८ এক গোপী ব্রিরহেতে ভাঁপিত আছিল। ক্ষের চয়ণ लमा हर दब बुर्तिक। (कान (गाम) यागन यक्क लि १ न्। दिया। जात्र म हिंच क्ष्य रहेन हारिया। द क्रमाज्य विभावया (भूममभर स विष्मा । यहित् क्षर्विद्यालाः जनस्यम्भन्द्रमा ७ ण्यम् कार्णस्य (कर् विर्वा रहेग्रा) अवन प्रमान **हारण ज्यक्**षि कतिया। कहें। क व्यक्तिकरण शिरम करिन ভাতনা এইবংগ কুমুখ করে নির্মাণী ও व्यभवार्विविषय गर्मा क्षेत्रात एय या बुद्ध । आलोज बिनिवाज्गाक महत्वहरू युवा न

#### त्रांजनकाष्ट्रावशाः

विविधनगरमञ्जलकान लाम वीता। व राष्ट्र कीर श रहेशा ने माकृता। येख तम्ब कर्ड क्छ नाहि से कृष्णमा मार् विषयम नायु ज्लि नम् । १। खन्कािकाञ तरकृष क्षामिक्छ। मिसीनार्छ । शुलको क् रमग्रहेगांख (या गियानम्मन गुष्ठा। हे- " रक्षाद्ध मध्य नियद्ध चाकविद्या। नयन मुस्सा रू पित्राचिन पतिया। लुनकि छ देशस्य दन देवन ज्यानि वनः योनतंत्रराष्ट्र भणेन रुव्न त्यन त्याणीवना ५-जहां खाः किन्वारंभाक भेतरभाक भवं निवृष्टिः १ कर्रावंत्रम् करामः गास्त्रभ लांगाः गयां बनेहि। र नित्मत नन्दिन (प्रचि घक (गाणीशन। शहस छेलस्स ৰৈল আৰু জিও মৰ। বিরহ জনিও ভণ ছইখা নৈছেন ्राञ्ज नक् रणत रामन मुक्क क्यां बन। अ তাতি হি'বুড শোকাভি ভগবানচ্যতোহবৃতঃ ৷ ব্যারেছ চতাৰিক**্ ভাৰত্ৰ**যঃ শক্তিভিয়খা। ১০ ·(माक होन (नानिष्ठ (बाक्केंड क्रमवान) वृन्तान्दनै ह*ै*। ইলেন অতি শেতিমান! ওছেন্প পরম পুকব্ নারয়ি ग मठापि मं किंद्र मर शुक्र मि उ इन : >० छाःन बामास काकिक्याः विविधा शूनिन विख्ः । विक्रिक सन्त मनात मुक्का मोल रहे से मा १३३ यज्ञकक् मन्यात्र मुक्षि मूर्णानक । जाशात्रभावत्न अ

对例如4种分署计 ं दर र केर ज़िल्ल कुरन शहर नरभा सन ा अध्या **भागा विष्य मन ।** ा भग्रामाना कनः शित्रः । कृतः दाः अब द जुक्त । ३३ - १७११ ा । जन्म द्वाराच स्वाकारण सम्बद्ध वृत्र ं वर्षान (पिया मरस्य) व ATS ATTACKS I SHE GOVERN ON ाष्ट्रमा कीटब द्वारिक एवं (A ् शियारगन्न मिर्ड । **ग**िन्दा निन्द् कृष्टे प्रकृति । स्वायत्याव स्व ाक्षकोटमः भरवक्षः मगोहरकक्षाः (数(4))の ाक्ष्मानम् व्यभाव । जादह मुत्ह ाष्ट्र महनात्रथ मृत्देहन यक (गाम) ा (यन स्वप्रष्टिश्वहन । भागवश्वद्धाः । ा । यभिष्ठ भागनंदियन पेखडोदसन ः गहान म्हेषद्वा (यारणस्त्राहरू मे क्राम्यानी भविष्णा विष्टि प्रमामा नरूप नर्म १८ । ३८ ्या (माकिल जगवाना (ग्रामी मजा

चारम् प्रकारक स्वास्ति क्षानाम् । देवस्ताक । साहनम् क बतिदलक स्वास । जाकादम्बि चानाम्ब रेक्ना (शाप नार्ते ॥ १८।

লভাজৰিখাত মনক্দীপন্স নহাসলীপেল বি জুল ভূবা। সংশাদনেনাক কন্তাপ সি হত্তেয়েঃ লপ্তত্য ইবত কুপিছাৰ ভাষিরে। ১৫

खनक पीलम बुल (पश्चि लाली गर। वहन कुनूरम छोति करिया लुक्स। मस्मर झाटम जीवा कि विशा हा दिना है। मा विज्ञालित के कुर्वित कि बना। देगक (काटलिट कि हा बदका स्वहन। निकटकाट कर्त श्रम कि हा भूमन ।। शुरु शक्ति हा श्री का क्वा हिए। कि एका निद्रम कि कुले कर्त काटलिट । इक्ष

# জিলোগ্য উন্তল্

ভন্নতোহনত ক্ষেত্রকে এক এ গৃহিপষ্যা ও বোভাগায় ভক্তরন্য এতহোরু শ্লাপুড়ো ১৬

खरह नामाय विके शिक्तीं में जानाश । जानां में मिक्तिक शह कर बराबश । यसन खरार पाट विक ममाप्त १ शकन खराय छोटा खरान मुनादम । तक्र हरूकरन नाक्त खराम । वहें वक मरक्र युवार खना स्ति। माक्त (बहारत क्ष खराय वानां नि। क्रिकेड रयह मन जामदा जैकिति। (गाणिकान, बहैकका खिने)

अखनबानुवाह।।

মিৰোভক্ততি তেমধ্যঃ ৰাথৈকাকোত্য মাহিতে? न छळ (न) हाप्रभाषाः बाधाय श्रीक्रनानाथ।। ३१। विद्धां मिल्न चानधनर मभीगा। वृक्ष्मकल्य कहिं ট্ভর বচন। যেজন ধাহার করে নিত্য উপকার। তার পুতি উপকার উচ্চতভাহার ৷ ভবিংশতেত্বৰ পুন্ঃসেই क्टन ब्टल । जायधान देवल (जई आश्वाब कार्य। ३१ खंबहा खबरकारवरेब ककनाः निकाती यथा । **यस्त्र**ी নিরপ্রাদেশ্য সৌহৃদক্ষ্ মধ্যয়াঃ। ১৮। जान्मधी मुर्थम्य मोहाद्यवार्द्धः लागहिमसम्ब , (मन्त्रकृत्व) मा उक्ति छाक्ता, यकत्व जन्म। अ उरा भुकात मधी कर (महजन। पहायान कन वहेमछ णाञ्ज्य। अथवा कननी शिखात नगरवहेक्य। नम्ब क त्नत है एक छेलकदर वर्ग । लिला भाका नेभारनत नृद्व काभक्य । ३५

ভকতোহলি নবৈত্রে চিন্তরন্ত ভরতঃ স্তঃ আজা রামাধ্যাপ্তকাম। অকৃত্রর গুরুদ্ধ দ। ১৯। বিশ্ব তৃতীয় শুশের এইপ্তনহ উত্তর। তবে যে বাধারেতারের নাডকেংখনর। চত্রিধ ভারাহয় গুরুস্থীগণঃ আজা सामकात महा। अवस्त स्ता अत्यक्ष मुख्या प्राप्त (कि)। इति हिन्दा । जात अकस्त मुख्य स्थादक विश्व के गुलाह की भावकत विषय स्थाप । अन्यकाल क्षाद्र ना जटक कराहत ॥ उठा।

मार हमरथा इस हमर के उन्न में मिर पूर्व के स्वार प्रथान के स्वार में स्वार प्रथान के स्वर में कि स्वर

এবন মথোতি মত লোক বেদ বানান হিবোমন্য নু ভালাই প্রেমানার লাশিরা গোপালণ। লোক অপ কাদ ভয় নাকরি লগন। বেদাচার থম ঘন লকল ভ্যাকিলে। জ্ঞাতি বন্ধু গণ ভন্ধ মনে রাকরিলে।। ১৯ ব্রয়েহবলঃ। মন্ত্রাক্ষণ ভন্মতাভিরাহিত্য নানুয়িতুই সাহ্যত্ত হিবণ প্রিয়াল। ১১ द्रभावत्त्रहर्श्वन्त्रम् युक्षाः सम्यक्षित्रः विश्वाव नालिकः। यामा उत्तेनप् इद्धारमङ्ग्रस्को। जन्न का उत्तः भुजिया जूनाध्या।। २२२ जिल्ला क्रांस त्याप्र हत्। युग्ना। अमस्यक्षेत्रं भागि

बानि नेक का छात्र (एक जोड़ वाल नेति नाम मणे ड उशाणि दिना है। जामान यात्र नेक डिंग के निया यह के तिया है। जाला वाल वालिया ये डे लोहे एन भागि । जा चार का कि जा कि एक निया में नकने ।। यहापन है। जाकत शलन हिलाह (क दल १) आमात्र यहापन है। नाकत शलन हिलाशिम जिल्ल स्मातमाहि जन जन। शामक धने के बी छन मले शला शतमार्थ हथा दिल (एक महत्र यन।। कहित्स छ सम्म स्था मार्थ हथा दिल (एक महत्र यन।। कहित्स छ सम्म स्था मार्थ

রিদিন কংবি গার নায়ু হয়। এ খাণ পোৰিতে তবু না পারি নিশ্চঃ। বড়ই দুইজয় ধন নিগুও বন্ধন। আমার লাগিয়া ডাই। করছ ছেদন ।। সকল ত্যকিয়া পোনা করিলে আমার। এতি কি করিব আমিপুডি উপক্ষর খালি করিলে যে ভবি আপনার গুণে। নহিব সমী প্ অমি এপ্তাশ শোধনোঁ। ২২।।

ইভি শ্রভাগনতে মহাপুরাণে দশ্ম করে রাশ স কাড়ায়া বিভিন্দোহর গায়গ্রাই তা क्षे यक गद्राज सम्मानिक ने शालाझ ने मकरम श्री क्षेप्रतमन । हाज मणवा व अवदिश्य मचाणन । एवं क णेत ब्रोम्ब स्टर्मन दिवद गा। ७२ ।

#### The second secon

: केथा जगर्ड। (गाशरः न बाबाहः मुरमनगः। ; करुबिहरू छामा उपकाम किंग्नियः। )।

खार वृह्म सम्बद्धाः कृष्ठ विषयाम । ज्ञान सम्बद्धाः म्हा मुख्या दिवाम ।। ज्ञान त्या प्रतिस्था मात्रामा । ह्वा मृख्या स्त्राविक देशमा (गार्गी १९३ स्व स्व स्व स्व स्व स्व

खबाव इव भावित्स्रा कानकोश यन्त्रहः। औं ·

क्रिकाणिकः भृतिकः त्नान्। तस्य क्रिकः १२। तामत्काल बाहो शुरलन श्राविक्तरमहे स्वा १० ए छ युक्छो ३५५ गर्ग विस्ताभक्षण्य वाक्र यस्य क्रि श्राणी भग जात घरण घरण क्रिके पति व्यालकन। तास्याद भव भूविक व्यक्ति स्माहित स्वाह्माणान क्षे श्राणी भूखान गृहित व्यक्ति स्माहित स्वाह्माणान क्षे श्राणी

बारमाञ्चवः मानुबरकारणाणीयः न मृष्ठितः।
रगाणपद्वगक्छेन जामान् अद्ध्यद्वापद्वाः।
रगाणप्रक कृष्ठे रगाणवन लुक्यानिस्न । मृहैर्रगानी
मरप्र लुविके हेहरनम । ०।

क्षित्रके बाहर था। तडी लिया तमनोत्रम वा (व (मटक) विकास मन देकल मदना एत कोटक। ३ के का छिठ मद बहात्मान चत्रकाकीत विक्षिणा। के बि (म) कृष्टिला उन लोग्नाम धना विकास था। के बि रहा मुख्या की स्टर्मन मदन को छन्नान। सक्का मि खदन त

भावारमं नाविनान। अछिनी किरमदाखारश्यामा

स्ट्रप्त्रका अहित्य करिमा आर्थक रक्षण छ। का कि

वाष्ट्रवाक्षि (भगभवन यहिना । )। शुक्र वाटम विद्युत आहरण (यहें होते । छाट्छ विद्यानाल रगानी कतिहा मिन्यान । উहमां हु गात रगानी घटनाहत थर । यहनक शुन्न या द्यु कहिर्दात छाट्ड (कहर रगाभी नाहा करेंडा डान्य रगा । यह सहिद्यान हिन्द्य स

उदिकारमा १० ७ वाङ् । क्याना छ नल को तका क्रिया कि छा । हा हा हा हा हा हा हा हा । का लिखन कि त क्रिया कर्षा छ प्रिया मा छोहेला। का लिखन कि त क्रिया कर्षा हा हिला। छेछ मार्ग एम तक छोटम नाहेला शारिनी हकान लिला मार्ग एम्थि भूकाक का निनी क्रिया कलामा भिला ब्रिया हिला हिला क्षिम श्री हुमेन करिता का निल्हा है । कर्णानिकांगाँड विकित्त कटनां प्रिन महिन्द्र । कटल कन्द्रकाड शाहार के किन्द्र । १००१ कार शाली मूं १६६२ का क्रिया हरू रे । कुडन का १९८७ इस्ट्रकात समयेगा जाइना छ निक्य के किन्ना बारहों नेप का किर दे पिन का बु म क्रिया १९९१

म्डाडी नामची कोडिड काचा के (सरामा। नाम भाडाड करादक्ष मुहानेवाड समानाः। नव १५६ कोड जना को १७६ के के देवरमणा मानु मुस्स (का ना कोटक ड्रेस्ट्राइन। नहीं मुख्यानाः के सार्थ हुई को नाट्य हुई का रेया करों कर कि मिन रहे का कार्य हिम्स (३६)

काउर रर वेस द्वा क्रिक्ट मार्च । वेस प्राप्त कार्य कराव गर्थ । बहेस मार्चा कार्य कार्य कराव मार्च वेस प्राप्त कराव गर्थ । बहेस मार्चा कार्य कार्य कराव गर्थ । वेस प्राप्त कराव गर्थ । बहेस मार्चा कार्य कार्य कराव गर्थ । वेस प्राप्त कराव गर्थ ।

विष्यतं करतन मास यामा नर्ज्य । २०। कर्षा ज श्रणाम कविष्ठेक राज्यात यग दक्ष्य विद्यानन स मृद्ध (धावराष्ट्राः । व्यानाः स्व अध्ययज्ञान गृङ्कः ध । कणमृजमुखाजुमद भागक स्थानाः । १००।

नवात्र मृद्दारमा छिडिनादा छेत्। बजकात करणान स्राह्म रमा छन। विष्मु २ वर्ग बहर्ष पनक भरणा विषम नुभूव बामावारकक ४ राम । स्राह्म व्याप्त विषम

कारगानीगम कृष्ठ नइ चनन्त्रिक किरक । नन्ति करतन एडा (नजान मधाय। जुनत जुनीयथा गाईरइ क्रीगाय। १७।

ध्वः भिद्रश्चित्र खिमण मिरवक्ष्य गामिन गिन् विद्या स्वाप्त स्व स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्

क्रो विशेषात्व (गानि चाकुल इकेन। व्यक्ष म्यान च्या के चित्र गामित जा चित्र में कुलाक में कुलाक कुलाव दमन मच किएड नार व (गानि चाल ) च छे ते । छन १ भ म गन (गानी चानम मागात । चाननारक व्यक्ति (म त्विएड नागाद । अने

কৃষ্ট বিক্রীভিত' বাক্ষ্য গুনুহু খেচর জ্বিয়া কাম।
দিন্তা: শশাক্ষণ সগণোরি মিকোভবত। ১৯।
লোকে বলে অকুল হইল গোপিগণা দেবনারীসবা
কার হইল মোহন। দেবনারীগণ ছিল আ কাশন লো

क देश विष् । (मशियन मण्डला। (मण्या शेला कारमण्ड निष्ठि। यशन भाषा ह । प्रिक्ष रहेन विक् कृषाञ्चवस्यापान यावजीत् स (याच कर। (अ ্ষেসভগৰা• তাভি রাত্মারামোহলি নীসয়া। ২॰ যত গোপিগণ ছিলেন জীরাসন্তলে। তত সুভি भाविष हरलन्धकुहरम। आश्वीवान सम्।श्रीवाशनि **ভগ্নাৰ। ভথাপি কহিলারাস বিলান বিখান। ২**০। े जामा मार्थि विरादित मुखाना १ प्रमानिकः। गाम कल कर्षाः (भूगमान् बरममाक मानिमा। २०। त्रको विहाद्दरकम् । देश (माभीभना मस्मास बाधन रिचि नदाइ बरन। नम्य रहेश्वा निक कदनीय करत । मृत्ह्र मदाइ नुभ द्तिर अञ्चल २)। (भाभाःक्रवण भूके संखन बहन पिछा अस जिल्ला न् विख्यान नितीकर्णने। सार-मश्का ध्वयमान् क्छानि भूगानि एक कत्र सहस्थान भूट या मः। १२ শ্রেল শন্তল কাভি গলের শোভায় । পালুব প্রায **राम** १८ । रिन नो ना न १८ गा भी भग क् छि ए कि कड़िने भूड़ न चानल्यटं क्टेयम करतन शासन । क्टेंड भूथत ने शत्रण रुवं एक। चानु निष्य रेश्या मध्य गान रही यः छ। **छा छित्र छ। भूम माला कि लू मल मल क**छि मृद्धाः विक्र छ। বুকুম ইঞ্জিভায়াঃ। গন্ধৰ পালিভির ুদ্ভ আবি

শবাঃ শাভোগারিভিবিভ রাজিবভিন্নতঃ ২৩

त्याहत्त्वन्य पृथ्विधिः भविष्ठायानः त्याक्षकः भूदनको विश्विक कार्यास्त्र । देन मानिकः वस्त्र य मण्डिका गत्मारदान् यह भूतिक्षत्व शत्सन्य नोमः। २८

### ो क्राम्भकाष्ट्राहर

रगाभी भग । गटकस् जनाम जीना करिना सरमः।

क्रक क्रों। भरान यम इस नुम्म शकानिम सूर्य पिक्षा । एशावल्य भूमनाभाग क्रका वया नव हुख विक्राः करत्र जिल्ला २ सः।

खीद लाद के करे रहे हैं दिया यहार । यम्सा है है नहें व महत्रा लाद लिए । या या या महत्रा भारत लाद ला । कि लाद मूर्वा करत हो जे के बिरम्पर । खंशी बिश्व करते मूमना (बिडिंग) छातिला है कि बाय लाय मूर्वा विख् मन म करते (यन कि तिशहन । कथा कृति विश्व करते न

এব**্ শশাকা** ছাৰ বিরা**লিকা নিশাঃ সমত্যকানে।** হনুরভা হলাগণঃ। কিবেব আজান্য ব**ক্ত** নোরভঃ

## Cale Salvi

न शामरा इंग्लैंगी निन्याय छत्रेगे हैं ने वेडी ता कि क्रायमभूति वर्गामा श्रीतः। २०१ भतिको के नाम बर्गन छन सनिवय । है शास्त्र बहेन मध मरमा र विख्य । इति । एक विश्व धर्मा भाषण द्रामितक । बार्याक्ष्मीकारोग स्टेटनेन स्निटिन रिन भाकता प्रमाणकरा निकासका जिल्ला । प्रकास भाक्तरहर्भन स्थापना विज्ञान भी राज क्षे भाव संक्षा कि विश्व रचा के हा देव । करिएं के जब प्रमा क्टा में मानव । छट्य (कर्न कहित्सन न्याया आ छात न বের ঘুবভি করে করিয়ে বিহার।২৮। 😅 था उमारमा भए गरिः क्षेत्रकारिन क्यागामक । कि अखिनाम अवसः जन्महान कि स मुद्र । रहा। ज्वज केर्राट्स मिनि निविभाग क्या एट्य (क्न कर्ड्स নিশিত আচরন। কিইহার অভিশায় কর্ স্নিব্র मार्क्स्ट्र नित्राण कर्त्र कट्ट देशा शाधित । २०। शिवक देवाजा

देश वे । जिल्ला मृद्धे ने पत्र ना के बाहरू । (जिल्ली इन्हरू न (मानाइ वाइ नव : जुटका यथा। का इन्हरून कर करह नुभक्ति महत्र। वेस्त्र माहन (मृश्चि श्रमा आहे कथा। अवेषमा इन (पर्य विषय भगाव। वर्णत व्यापित नाहि करत्व विहात। इन (पाय नाहि नाह्य इन्हें क्या नगरन। भारत (पथ मुर्व नग क्या मुख्य मान्य देनक महाहरत्व क्या व्याप्त मान्य नामा । विनया। व्याहरूमें हुए। प्राच्या क्या विषय। २)।

मेच्द्रव यस्ट्रां विकासत वाहाता। अत्नर्थययकतिएक नाद्रत काद्रा। यूष्ट काद्य यहि क्द्रत (केन पाह्रत्र) कत् सम्बद्धि सादेन पादका सद्रग। ७३।

ইপরাণা বৃচঃসভা । ভবৈধাচারত । কিছা ভেষা । শত বুবচোযুক্ত পুরুষা । লভসনাচরেত । ৩২। ইমরের বাক্র সভাফানিছ রাজন । অবশাদির বাক্র করিত পান্য। ইমরেরা যেন্ত করেন আচরন। ভাই। আচরিতে নাহি পারে সম্মন। ৩২।

कुननाहाद है उद्देश विक्र हरें। विक्र याद्म हानंद्धा निद्र हर्ष कादिगार शृद्धा । ७०। काश्च केवड़ क्या कि दे दे दे हात । एक प्रकार कि दे दे आह् प्रमुख्य जाहाड़। यम्म जिन्द क्या हद्द मध्य के प्रमुख्य कि जिल्ल न्त्र के शुरु । स्वर्था के नेक्न युष्ट युक्त कान। जामवाड़ क्या कर्यानाहि भुद्धा कन। प्रवृद्धा जिल्ला नाह्य शाहित। क्या शुद्धा कन। प्रवृद्धा

कि-डाबिन नजाना जियादन दाहित्वीकमा रिमिन्द्रकि विद्यान्। वृत्रका वृत्रका विश्व (१व वर गण न्यापि यजनवन्ता। वेषात्र अव कि जि रेव महत्वन। देशवा सपानि वस नार्य करमाल देवत किश्रिकेष श्रदन उशास्त्र। श्रेषरप्र वासि एक करण (क बचन के बेरक का नित्रकना अनार बादन। ७३। सद भामभक्ष अतागिनित्यद ज्ञाः। त्याभ भुकाव विश्व काश्वित कम दक्षाः विश्व कृति मृत्रशाह निव नक्षानाष्ट्रवाष्ट्रवश्चः वडवदवसः। १०० चात्र भार भक्षमताम निरम्बिया। त्यवनकावन विकर न्यान पिक रेन्द्रा। अकाशक करण (महे वस नाहि धन विषय सहनत अस क्षरत र सन। त्यागबरण करावक का विलक्याता। मुर्गुर्छ धूवन निष्ठा विरुद्धने खाती ७८२ न् भव अख्या मिलगदान। हात्रान्टर भवसाटन णादनक विवास । ७६। (शानीना) कक्र मिलनाये मरनदग्रायन (हिमा) स्मार्यका । जिल्लाम्बाका अयः को छन स्मार्थः । स्थाण्डणप्रश्चित्रास्यम् अयः कीव्रम (प्रशान मण प्रथ लाग द्यानीयात मिल्या व्यानास्ट

त्य रम्भाजिकन । नुक्ति नाकि सर्ग (वहे नवास क्षान्धः) रम्भ रम्भाजिकन । नुक्ति नाकि सर्ग (वहे नवास क्षान्धः) रम्भ वर्षामा नेग्सन । चीनाम नरसद्ग (वह क्रिस्) शह्यः

धनु ग्रहाब खेळा ना । मातूमा रहरूमा चि ३०। इ.स. क काम्भीः कोकामाः भ दाख्य गत्र करवेखाः ०१ ः क्षा कोरबंड चार् गुरुक कात्रम । नरबंद चाक् ७ वि ৰারাছম। কক্ষনাশাগর শত্তি ইতার ভারম। হীব तिर्द्धिकरेण नानाविर्द्धना वेचन्यामानण किनारिः वित्र। स्वा इस् व्याहित्र् स्व शाशहात । २० সূত্ৰৰ পত্কুকায় মোহিভান্তৰত সামায়না মন্ত नार योगायङ्ग साम साम प्राप्त बुरकोस महा र न्थ वृद्धवानियं छेर समा क्या माहा जानवाह करिया क्ति। याद्वारिक स्माहिक देवता नकरले त्रिका। (१) ন্ন চরিত্র কেছ বুবিটেনারিল। বিরুৎ দারাগ্রকান্ত শাশে। একপ বুঝিশভারা মারাম বিলালে। ৩ षित्रोक जेशाहरक बाजु (पबाजू (मापिकाः) व्यक्ति গ্রায়বুং গালাঃখগুহান ভগবত লিয়াঃ। ৩৯ द्वाति वन्य (एथिया जगवान (गाणिदा करिन) वाक विश्वज्ञान । कृष्णक्रमारपरण (शरह यह (ग. भ विष्ठाय (प्रमु नक्त (य्योव खदग १००) कि हिन्दु वस वस कि विशेष विदयमः। मुक् नुम्त्राम्बदगरम्गः। ७(७) नता- अग

ममाराज्याका के निवास माना है।